विदेश मंत्री (श्री इंद्र कुमार गुजराल) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी

168. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में पिछले तीन महीनों में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी आई है ;

(ख) यदि हां, तो उसके प्रमुख कारण क्या हैं ; और

(ग) स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) और (ख) पंजाब में हिंसा अधिकांशतः उग्रवादी समूहों द्वारा एक दूसरे पर अपनी प्रभुसत्ता जमाने के लिए लोगों के मन में भय का वातावरण पैदा करने के लिए ही रही है ।

(ग) विभिन्न उग्रवादी समूहों की गतिविधियों को रोकथाम करने, सीमा को सुदृढ़ बनाने तथा गांवों में एस०पी०ओ० चौकियां स्थापित करने के लिए विभिन्न उपाय किये गये हैं । जब कभी मांग की जाती है, केन्द्र सरकार सभी संभव सहायता उपलब्ध कराती है । समस्या का हल ढूंढने के लिए विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श भी किए गए हैं ।

पंजाब में हत्यायें

169. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :**

चौधरी हरि सिंह :

श्री बलराम सिंह यादव :

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :

श्री एच० हनुमनतप्पा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990 की पहली छमाही में पंजाब में उग्रवादियों द्वारा मारे गये व्यक्तियों, पुलिस और सुरक्षा कार्मिकों की संख्या कितनी है तथा इसी अवधि में मारे गये उग्रवादियों की संख्या कितनी है ;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान तदनुरूपी अवधि के इसी प्रकार के आंकड़ों के वर्षवार आंकड़े क्या हैं ;

(ग) सरकार ने उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए क्या कदम उठाये हैं ; और

(घ) क्या पंजाब में आतंकवाद को समाप्त करने और वहां शान्ति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हाल के सप्ताहों में कोई नए कदम उठाए गए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) और (ख) संलग्न विवरण के अनुसार । **(नीचे देखिये)**

(ग) और (घ). विभिन्न उग्रवादी ग्रुपों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सीमा को मजबूत करने तथा गांवों में एस०पी०ओ० चौकियों की स्थापना करने सहित कई कदम उठाये गये हैं । 120 कि०मी० पट्टी पर कांटेदार तारों की बाड़ लगा दी गई है और इसके अलावा 236 कि०मी० में बाड़ लगाने तथा 207 कि०मी० क्षेत्र में फ्लड लाइट लगाने की स्वीकृति दी गई है । सिविल तथा पुलिस शाखाओं के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करने तथा सिविल व पुलिस प्रशासन के भ्रष्ट, अक्षम तथा निष्ठाहीन अधिकारियों की छंटनी करने संबंधी कदम उठाये गये हैं ताकि अधिक प्रभावी कार्रवाई की जा सके । इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श भी किया गया है ।

विवरण

पंजाब में 1988, 1989 तथा 1990 में जनवरी से जून के दौरान आतंकवादियों द्वारा मारे गए व्यक्तियों की संख्या, मारे गए पुलिस/सुरक्षा कार्मिकों की संख्या तथा मारे गए आतंकवादियों की संख्या का विवरण (पंजाब सरकार द्वारा यथा प्रस्तुत)

अवधि	जनवरी से जून तक		
	1990	1989	1988
1. मारे गए व्यक्तियों की संख्या	939*	564*	1266*
2. मारे गए पुलिस/सुरक्षा कार्मिकों की संख्या	128	57	63
3. मारे गए आतंकवादियों की संख्या	468	336	182

*मारे गए पुलिस/सुरक्षा कार्मिकों सहित।

भारत-पाक सीमा पर कंटीले तारों की बाड़

170. डा० रत्नाकर पाण्डेय :
श्री कृष्ण लाल शर्मा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंजाब में भारत-पाक सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने का काम कब शुरू होगा तथा यह काम कब तक पूरा हो जायेगा ; और

(ख) इस कार्य से आतंकवाद को रोकने में किस प्रकार सहायता मिलने की संभावना है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) पंजाब में भारत-पाक सीमा के कुल 120 कि०मी० के क्षेत्र में बाड़ लगाने का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा 236 कि० मी० क्षेत्र बाड़ लगाने के काम को मंजूरी दी जा चुकी है।

(ख) पंजाब में भारत-पाक सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ आतंकवादियों की घुसपैठ और अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में सीमा पार से आने वाले शस्त्र और गोलाबारूद को रोकेगी।

जम्मू और काश्मीर में मारे गए लोग

171. डा० रत्नाकर पाण्डेय : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990 के पहले छः माह के दौरान जम्मू और काश्मीर में आतंकवादियों द्वारा कितने लोग मारे गये ; और

(ख) वहां स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि 1990 के प्रथम छः महीनों के दौरान जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा 299 व्यक्ति मारे गये।

(ख) सुरक्षा बल अनेक कारगर उपायों द्वारा उग्रवादियों पर दबाव बनाए हुये हैं। सीमा पर सतर्कता और सुदृढ़ कर दी गई है और सीमा के साथ-साथ घुसपैठ विरोधी उपाय किए गए हैं। आसूचना ढांचे को मजबूत किया गया है। कड़े उपायों के परिणामस्वरूप हाल के महीनों में बड़ी संख्या में आतंकवादियों को गिरफ्तार करना और बड़ी मात्रा में शस्त्र और गोला-बारूद बरामद करना संभव हुआ है।